मासिक ई-समाचार पत्रिका

डॉ. राजेंद्र प्रसाद केंद्रीय कृषि विश्वविद्यालय, पूसा, (समस्तीपुर) बिहार -848125

सितम्बर , 2020 खंड- 1 अंक- 3

कुलपति महोदय का संदेश

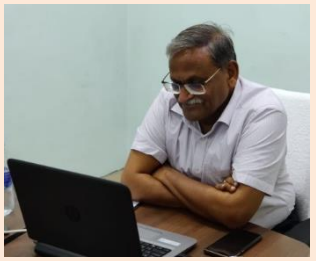

सर्वप्रथम, मैं उन समस्त छात्रों को बधाई देता हूँ जिन्होंने शीतकालीन सत्र 2020 को सफलता पूर्वक उत्तीर्ण कर मानसून सत्र में प्रवेश लिया | छात्रों को मेरी सलाह है कि, जब तक कोरोना के कारण उत्पन्न स्थिति में सुधार नहीं हो पाता है, वो अपनी अकादमिक क्रियाकलापों को वर्चुअल मोड में यथावत जारी रखें जिसके लिए विश्विद्यालय के शिक्षकों द्वारा महती प्रयत्न किया जा रहा है | इसके लिए मै विश्वविद्यालय के सभी शिक्षकों/वैज्ञानकों एवं अन्य सभी कर्मचारियों का अभिनन्दन करता हूँ, जिनके अथक प्रयासों से हीं स्नातकोत्तर विद्यार्थियों का थेसिस कार्य उनके भौतिक अनुपस्थिति में भी संभव हो पाया है |

बाढ़ की वजह से एक ओर जहाँ खरीफ की फसल को नुकसान हुआ है, वहीं दूसरी तरफ ऊपरी इलाकों में अच्छी उपज की आशा बंधी है | ऐसी परिस्थितियां हमारे सामने चुनैतियों के साथ-साथ संभावनाओं के भी द्वार खोलती हैं | हमारे वैज्ञानिकों के सामने बाढ़ प्रतिरोधी फसलों की किस्मों को जारी करने की चुनौती होगी | अंत में मैं, विश्वविद्यालय के सभी कोविड -19 योद्धाओं को भी धन्यवाद देना चाहूंगा जिनके अथक प्रयत्नों से हीं विश्वविद्यालय परिसर अभी तक महामारी से सुरक्षित है |

कुलपति महोदय की संलग्नता :

- कृषि अभियंत्रण महाविद्यालय, पूसा और एग्री विज़न द्वारा आयोजित राष्ट्रीय वेबिनार "आपदा टाइम्स के लिए कृषि-योजना" : बाढ़ और कोविड -19" में भाग लिया ।
- स्केलिंग-अप क्लाइमेट स्मार्ट एग्रीकल्चर (सीएसए) थ्रू मेनस्ट्रीमिंग क्लाइमेट स्मार्ट विलेजेज इन बिहार की संचालन समिति की बैठक में योगदान दिया।
- वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से नास (NAAS) अकादमी की 27वीं जनरल बॉडी मीटिंग में भाग लिया ।
- बिहार सरकार के माननीय कृषि, पशुपालन एवं मत्स्य पालन मंत्री डॉ प्रेम कुमार के साथ डॉ. रा.प्र.के.कृ.वि., पूसा, वा.सु. ,पटना और बी.ए.यू भागलपुर की प्रगति समीक्षा और भविष्य की योजना बैठक में भाग लिया।
- 74 वें स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर विश्वविद्यालय प्रांगण में झण्डोत्तोलन किया और सभा को सम्बोधित किया ।

- भारतीय विश्वविद्यालय संघ द्वारा राष्ट्रीय विधि विश्वविद्यालय, नई दिल्ली में आयोजित "भारतीय विश्वविद्यालयों की पुनर्कल्पना" पर कुलपतियों के राष्ट्रीय वेबिनार के उद्घाटन सत्र में भाग लिया
- कृषि अभियंत्रण महाविद्यालय, पूसा के वेब रूम में ऑनलाइन एडमिशन-कम-रजिस्ट्रेशन पोर्टल का उद्घाटन किया ।
- वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से मशरूम खेती प्रौद्योगिकी के प्रशिक्षुओं को संबोधित किया।
- ग्रामीण विकास परिषद पटना द्वारा आयोजित 'डिजिटल कांफ्रेंस ऑन फ्यूचर ऑफ़ फार्मिंग फॉर फूड एंड नुट्रिशन सिक्योरिटी " में " फ्यूचर ऑफ़ फार्मिंग (इंटेंसिव,एक्सटेंसिव एंड इंटीग्रेटेड) ,बिहार पर कृषि विकास की समस्याएं और संभावनाएं" विषय पर आमंत्रित व्याख्यान दिया।

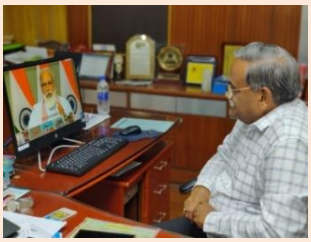

- भारत सरकार के माननीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री के गरिमामय उपस्थिति में उप महानिदेशक (शिक्षा), भा. कृ. अनु. प., नई दिल्ली द्वारा आयोजित नई शिक्षा नीति पर चर्चा के लिए कुलपतियों की बैठक में भाग लिया।
- मैन्युअली ऑपरेटेड राइस-व्हीट सीडर के व्यावसायीकरण के लिए डॉ. रा.प्र.के.कृ.वि. और मेसर्स मां दुर्गा एग्रो इंडस्ट्रीज, पंडौल (मधुबनी) के बीच समझौता ज्ञापन हस्ताक्षर समारोह में भाग लिया ।
- बिहार सरकार के माननीय कृषि, पशुपालन एवं मत्स्य पालन मंत्री डॉ प्रेम कुमार के विश्विद्यालय में विभिन्न सुविधाओं के उद्घाटन के दौरान उन्हें विश्विद्यालय के विभिन्न क्रियाकलापों एवं प्रगति से अवगत कराया।
- वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से भारत के माननीय प्रधानमंत्री द्वारा रानी लक्ष्मीबाई केन्द्रीय कृषि विश्विद्यालय झांसी के अकादमिक और प्रशासनिक भवनों के उद्घाटन कार्यक्रम में भाग लिया।

शिक्षा एवं शैक्षिक गतिविधियां :

- कृषि अभियंत्रण महाविद्यालय और एरिस-सेल (डॉ. रा. प्र. के. कृ. वि.) ने वर्ष 2020 के मानसून सेमेस्टर में छात्रों के पंजीकरण और प्रवेश के लिए एक वेब-पोर्टल को संचालित किया।यह प्रयास ऑनलाइन पंजीकरण पोर्टल विश्वविद्यालय द्वारा कोविड -19 महामारी के दौरान भी गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करने के लिए एक सफल कदम है । इस पोर्टल का उद्घाटन 20 अगस्त, 2020 को माननीय कुलपति द्वारा किया गया । पाठ्यक्रमों के पंजीकरण के बाद, पाठ्यक्रम शिक्षकों ने विभिन्न इंटरनेट आधारित पोर्टलों और अनुप्रयोगों के माध्यम से व्याख्यान देना शुरू कर दिया है।

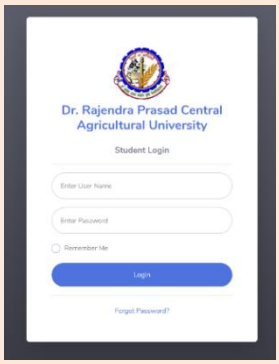

- इ.एस.आर.आई. -इंडिया के सहयोग से कृषि अभियंत्रण महाविद्यालय-डॉ. रा. प्र. के. कृ. वि. के इंजीनियर सुदर्शन प्रसाद द्वारा वर्चुअल जूम प्लेटफॉर्म के माध्यम से "एसेंशियल वर्कफ़्लो ऑफ़ आर्क जी.आई.एस" पर 3 दिवसीय ऑनलाइन प्रशिक्षण कार्यक्रम 24 से 26 अगस्त 2020 तक का आयोजन किया गया। इसके मृदा एवं जल अभियांत्रिकी में पीएचडी और एमटेक डिग्री कार्यक्रमों के छात्रों सहित 15 प्रतिभागियों ने प्रशिक्षण में भाग लिया ।
- इस वर्ष ग्रेजुएट एप्टीटुड टेस्ट इन इंजीनियरिंग में 2016-20 बैच के अंतिम सेमेस्टर के 9 छात्रों ने उच्च रैंक प्राप्त किया ।
- कृषि व्यवसाय एवं ग्रामीण प्रबंधन संस्थान, डॉ. रा. प्र. के. कृ. वि. ने चौधरी चरण सिंह राष्ट्रीय कृषि विपणन संस्थान के सहयोग से एमबीए एग्रीबिजनेस और एमबीए रूरल मैनेजमेंट डिग्री प्रोग्राम के छात्रों के लिए 7 अगस्त 2020 को एक वेबिनार का आयोजन किया । वेबिनार का विषय "किक स्टार्ट योर एग्री स्टार्टअप' था, जो भारत में कृषि स्टार्ट अप परिवेश के बारे में छात्रों को जागरूक करने और उन्हें कृषि और सम्बंधित क्षेत्रों में उद्यमिता के अवसरों के प्रति परिचित कराने के उद्देश्य से था जिसमे 40 विद्याथियों ने भाग लिया ।

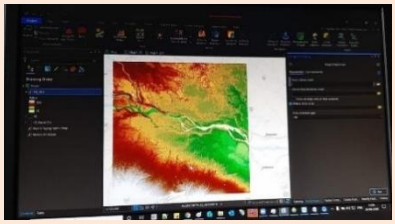

- तिरहुत कृषि महाविद्यालय ढोली ने कृषि स्नातक अंतिम वर्ष के छात्रों के प्रशिक्षण हेतु मधुमक्खी पालन एवं मधु उत्पादन में एक्सपेरिन्सिएल लर्निंग यूनिट की स्थापना किया है

अनुसंधान :

मधुमक्खी पालन एवं मधु उत्पादन के एक्सपेरेंसिअल लर्निंग प्रोग्राम भवन का उद्घाटन

तिरहुत कृषि महाविद्यालय के 60 वें स्थापना दिवस समारोह के अवसर पर 18 अगस्त, 2020 को माननीय कुलपति महोदय द्वारा मधुमक्खी पालन और मधु उत्पादन की पुनर्निर्मित भवन का उद्घाटन किया गया । गणमान्य व्यक्तियों के लिए मधुमक्खी पालन प्रौद्योगिकियों को प्रदर्शित करने के लिए ई.एल.पी. इकाई द्वारा एक प्रदर्शनी का भी आयोजन किया गया।

कृषि अभियंत्रण महाविद्यालय, पूसा एवं मां दुर्गा, एग्रो इंडस्ट्रीज प्राइवेट लिमिटेड पण्डौल, मधुबनी के मध्य समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर

कृषि अभियंत्रण महाविद्यालय ,पूसा द्वारा विकसित और निर्मित किये गए "मैनुअली ऑपरेटेड राइस- व्हीट सीडर" के व्यावसायीकरण और लोकप्रिय बनाने के लिए कृषि अभियंत्रण महाविद्यालय एवं मां दुर्गा, एग्रो इंडस्ट्रीज प्राइवेट लिमिटेड पण्डौल, मधुबनी के मध्य एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किया गया । यह पहल शोधकर्ताओं और निर्माताओं के बीच मील के नए पत्थर के रूप में साबित होगा। ।

गन्ना अनुसन्धान संस्थान, पूसा द्वारा बिहार में प्लासी बोरर कीट के आक्रमण का सफलता पूर्वक प्रबंधन

मानसून पूर्व और मानसून के दौरान उच्च तापमान तथा लगातार भारी बारिश गन्ने में प्लासी बोरर कीट आक्रमण को उचित वातावरण उपलब्ध कराता है । प्लासी बोरर के सफलतापूर्वक नियंत्रण के लिए डॉ. रा.प्र.के.कृ.वि., पूसा द्वारा चीनी कारखानों/गन्ना उत्पादकों के लिए एक कृषि परामर्श जारी किया गया जिसमें उनके अंडो और पीड़ित पौधों को भौतिक विधि द्वारा हटाने का सुझाव दिया गया । इसके अलावा, बायो-एजेंट स्कोटेसीएफलेविप्स और ट्राइकोग्रामाचिलोनिस 50000 पैरासिटेड एग कार्ड/हेक्टेयर की दर से 10 दिनों के अंतराल पर प्रयोग करने का भी सिफारिश किया गया।

गन्ना अनुसंधान केन्द्र पूसा में गन्ना जीन पार्क की स्थापना

वर्तमान में गन्ने की खेती किए जाने वाली सैक्रम कॉम्प्लेक्स हाइब्रिड किस्मों एवं अन्य सैक्रम स्पीशीज से संबंधित जेनेरा को एकत्रित कर पूसा के गन्ना जीन पार्क में एक निश्चित स्थान पर लगाया जा रहा है । यह जीन बैंक बेहतर गुणवत्ता, विभिन्न जैविक और अजैविक तनाव प्रतिरोधक गन्ने के बेहतर क्लोन विकसित करने और फसल सुधार कार्यक्रमों के लिए एक आधार के रूप में प्रयोग किया जाएगा।

सेंटर ऑफ एक्सीलेंस ऑन फूड प्रोसेसिंग और एडवांस सेंटर ऑफ रिसर्च ऑन वेल्थ फ्रॉम वेस्ट

28 अगस्त, 2020 को सेंटर ऑफ एक्सीलेंस ऑन फूड प्रोसेसिंग और एडवांस सेंटर ऑफ रिसर्च ऑन वेल्थ फ्रॉम वेस्ट का उद्घाटन किया गया जिसमे बिहार सरकार के माननीय कृषि, पशुपालन एवं मत्स्य पालन मंत्री डॉ प्रेम कुमार एवं माननीय योजना, विकास एवं उद्योग मंत्री , बिहार सरकार श्री महेश्वर हजारी मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित थे। माननीय कुलपति डॉ आरसी श्रीवास्तव ने अपने अध्यक्षीय भाषण में मुख्य अतिथि को विश्वविद्यालय और इसके केंद्रों के शोध और अन्य गतिविधियों से अवगत कराया। मुख्य अतिथि ने कृषि के उत्थान के लिए डॉ. रा. प्र. के. कृ. वि. के शोध कार्यो व सेवाओं की सराहना की और सरकार की ओर से जो भी आवश्यक हो, वहां से हर तरह की मदद दिलाने का आश्वासन दिया। इस अवसर पर अनुसन्धान केंद्रों के तहत विकसित अनुसंधान गतिविधियों और उत्पादों की एक प्रदर्शनी का भी आयोजन किया गया । इस मौके पर विश्वविद्यालय के सभी संकाय प्रमुख, निदेशक, वैज्ञानिक मौजूद थे।

- सी.वी.आर.सी. द्वारा बिहार के लिए चावल की किस्म राजेंद्र सरस्वती को अधिसूचित किया गया ।
- गेहूँ सुधार कार्यक्रम से जुड़े वैज्ञानिकों ने वर्चुअल प्लेटफॉर्म के माध्यम से 24 और 25 अगस्त 2020 को गेहूं और जौ पर भा.कृ.अनु.प. -अखिल भारतीय समन्वित अनुसन्धान परियोजना की 59 वीं कार्यशाला में भाग लिया।
- ढोली सेंटर के रेपसीड और सरसों पर भा.कृ.अनु.प. -अखिल भारतीय समन्वित अनुसन्धान परियोजना के वैज्ञानिकों ने 3-4 अगस्त 2020 को वर्चुअल मोड में आयोजित 27वीं वार्षिक समूह बैठक में भाग लिया।
- सब्जियों की फसलों पर भा.कृ.अनु.प. -अखिल भारतीय समन्वित अनुसन्धान परियोजना की क्यूआरटी बैठक 5 अगस्त 2020 को हुई और डॉ. रा. प्र. के. कृ. वि. पूसा केंद्र से जुड़े वैज्ञानिकों ने भाग लिया और मूल्यांकन रिपोर्ट प्रस्तुत की ।

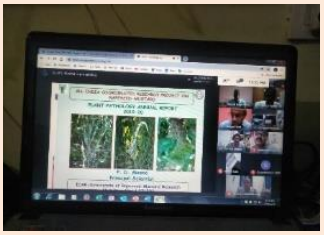

- उद्यानिकी विभाग, स्नातकोत्तर कृषि महाविद्यालय, पूसा, द्वारा छह माह का माली प्रशिक्षण कार्यक्रम सफलतापूर्वक सम्पन्न हुआ। जिसमे 20 प्रशिक्षुओं ने ऑन लाइन लिखित व मौखिक परीक्षा सफलतापूर्वक पास कि, जिसके उपरांत उन्हें प्रमाण पत्र, तकनीकी संग्रह और गार्डन टूल किट प्रदान किया गया ।

कृषि प्रसार

सस्य विज्ञान विभाग द्वारा पार्थेनियम जागरूकता सप्ताह मनाया गया

सस्य विज्ञान विभाग,राजेन्द्र प्रसाद केन्द्रीय कृषि विश्विद्यालय द्वारा 16 से 22 अगस्त के दौरान पार्थेनियम घास जागरूकता सप्ताह मनाया गया जिसमे विभाग के सभी वैज्ञानिको एवं कर्मचारियों ने भाग लिया। इस दौरान मुख्य रूप से इस घास के प्रति जागरूकता, मनुष्यो एवं पशुओं में इससे होने वाले दुष्परिणामों एवं नुकसान तथा पूसा परिसर के सड़क किनारे इनको उखाड़ने एवं नष्ट किये जाने का कार्यक्रम आयोजित किया गया । कार्यक्रम की शुरुआत डॉ. विनोद कुमार, विभागाध्यक्ष, सस्य विज्ञान द्वारा किया गया।

जलवायु परिवर्तनशील कृषि पर राष्ट्रीय नवाचार परियोजना की समीक्षा बैठक

भा .कृ अनु. प.-अटारी जोन- 4 पटना केंद्र पर दिनाँक 12 अगस्त, 2020 को वर्चुअल मोड में जलवायु परिवर्तनशील कृषि पर राष्ट्रीय नवाचार परियोजना (निक्रा) के समीक्षा बैठक में "राष्ट्रीय समुत्थानशील कृषि" पर क्षेत्रीय कार्यशाला आयोजित किया गया जिसमें के.वी.के. सारण सहित निक्रा जोन-4 के सभी के.वी.के. ने वर्ष 2019-20 की अपनी मुख्य उपलब्धियों और वर्ष 2020-21 की वार्षिक कार्य योजना प्रस्तुत की। कार्यक्रम की अध्यक्षता अटारी के निदेशक डॉ अंजनी कुमार ने की और रिपोर्ट प्रस्तुतीकरण के.वी.के. सारण के प्रधान डॉ अभय कुमार सिंह ने किया।

बीज हब परियोजना की समीक्षा कार्यशाला आयोजित

बीज हब परियोजना की समीक्षा कार्यशाला 13 अगस्त, 2020 को भा .कृ अनु. प.- अटारी , जोन-4, पटना में आयोजित की गयी जिसमें के.वी.के. सारण, के.वी.के. वैशाली, के.वी.के पिपराकोठी और बीज एवं फार्म निदेशालय, तिरहुत कृषि महाविद्यालय ढोली के सभी बीज वैज्ञानिको ने भाग लिया । प्रतिभागी वैज्ञानिकों ने वर्ष 2019-20 की मुख्य उपलब्धियां और वर्ष 2020-21 की वार्षिक कार्य योजनाओ को प्रस्तुत किया।

माननीय प्रधानमंत्री ने किसान सम्मान निधि लाभार्थियों को संबोधित किया

माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने बलराम जयंती समारोह के अवसर पर 9 अगस्त, 2020 को वेबकास्टिंग के माध्यम से किसान सम्मान निधि योजना के लाभार्थियों को संबोधित किया। डॉ. रा. प्र. के. कृ. वि. के अधीन सभी 18 केवीके के किसानों सहित पूरे भारत में हजारों किसानों ने वेबकास्टिंग में भाग लिया । कोरोना महामारी के दौरान कृषि विकास में के.वी.के. की भूमिका और प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना में किए गए कार्यो पर तैयार किया गया विडिओ क्लिप्स के.वी.के. द्वारा वेब पोर्टल पर अपलोड किया गया।

के.वीके बिरौली में रावे (RAWE) कार्यक्रम में कृषि छात्रों ने भाग लिया

सामुदायिक विज्ञान महाविद्यालय, पूसा एवं तिरहुत कृषि महाविद्यालय ढोली के कृषि स्नातकों के बैच **2017-18** के छात्रों ने के.वी.के. बिरौली में अपना ग्रामीण कृषि कार्य अनुभव कार्यक्रम रावे (**RAWE**) शुरू किया। छात्रों को कोठिया गांव के किसानों के साथ संवाद कार्यक्रमों में लगाया गया और सहभागी ग्रामीण मूल्यांकन सर्वेक्षण (पी.आर.ए), सोशल मैपिंग, रिसोर्स मैपिंग और के.वी.के. की विभिन्न गतिविधियों को सिखाया गया|

जलवायु अनुकूल कृषि तकनीक ने केवीके सुखेत में बाढ़ प्रभावित धान की फसलों को फिर से हरा भरा किया

मधुबनी जिला अपने कटोरे के आकार की भूमि तथा नदी प्रणाली के कारण बार -बार बाढ़ के लिए विशेष रूप से जाना जाता है । इस वर्ष भारी वर्षा और नदियों के जलमग्न होने के कारण इस जनपद के एक बड़े हिस्से में बाढ़ आ गई थी । सुखेट गांव और उसके आसपास के क्षेत्रो में सी.आर.ए. कार्यक्रम के तहत हरी खाद के बाद सीधे बुवाई (डी.एस.आर.) और प्रत्यारोपित तरीकों के माध्यम से उगाई गई धान की फसल 20 दिनों तक पानी में डूबी रही । हालांकि, बाढ़ के पानी के घटने के बाद फसलें चमत्कारिक रूप से बच गईं और उन्होंने अपनी सामान्य वृद्धि हासिल की। किसानों की यह अवधारणा है कि इस तरह फसलों का बचना जलवायु अनुकूल कृषि तकनीकों के संयोजन से संभव हुआ है ।

अन्य समाचार (पुरस्कार, छात्र कल्याण गतिविधियाँ / खेल / एल्युमिनाइज़ / सांस्कृतिक उत्सव आदि)

- अपनी सभी शैक्षिक, अनुसंधान और विस्तार इकाइयों सहित डॉ. रा. प्र. के. कृ. वि. -पूसा ने 15 अगस्त, 2020 को भारत का 74 वां स्वतंत्रता दिवस हर्षोल्लास के साथ मनाया। विश्वविद्यालय के प्रशासनिक भवन में तिरंगा फहराया गया, जिसमें माननीय कुलपति डॉ आर. सी. श्रीवास्तव ने ध्वजारोहण किया। विश्वविद्यालय के सभी कॉलेजों व अन्य इकाइयों में भी अपने-अपने प्रभारी अधिकारियों द्वारा तिरंगा फहराया गया। करोना महामरी के आलोक में कार्यक्रम के दौरान सामाजिक दूरी और व्यक्तिगत स्वच्छता बनाए रखने का विशेष ध्यान रखा गया।

- तिरहुत कृषि महाविद्यालय (डॉ. रा. प्र. के. कृ. वि.) ने 18 अगस्त, 2020 को अपनी डायमंड जुबली (60 वीं वर्षगांठ) उत्सव मनाया । इस अवसर पर डॉ. रा. प्र. के. कृ. वि. के कुलपति ने कॉलेज के 60 वर्षों के संस्मरणों का वीडियो, पौध पैथोलॉजी पर व्यावहारिक मैनुअल, ट्यूबर फसलों पर तकनीकी बुलेटिन और मूंग और उड़द के उत्पादन प्रौद्योगिकी पर प्रशिक्षण मैनुअल और बुलेटिन को दर्शाते हुए एक डायमंड जुबली स्मारिका का विमोचन किया।

- मद्रास विश्वविद्यालय चेन्नई के प्राणी विज्ञान विभाग द्वारा विश्व पर्यावरण दिवस पर आयोजित फोटोग्राफी प्रतियोगता में डॉ. राजेन्द्र प्रसाद केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय के कीट विज्ञान विभाग के सहायक प्रध्यापक डॉ. एमo एसo साई रेड्डी को प्रथम पुरस्कार मिला।

संरक्षक : डॉ. रमेश चन्द्र श्रीवास्तव (कुलपति)

संकलन एवं संपादन डॉ. (*राकेश एम. शर्मा, रत्नेश. कु. झा, प्र. कु. प्रणव, अंकुर जमवाल, आशीष कु.पंडा, गुसनाथ त्रिवेदी, कु. राज्यवर्द्धन*)

प्रकाशन: *प्रकाशन प्रभाग, RPCAU, Pusa.*

संपर्क: www.rpcau.ac.in, publicationdivision@rpcau.ac.in